

6 JUNE 08 Rajasthan Patrika (Banglore)

मोबाइल से झूट बोलने पर लग सकता है अंकुश

जानी जा सकती है आपकी लोकेशन

बंगलौर, 5 जून। मोबाइल फोन को जल्द खात करने समय आम तौर पर कुछ जाने वाले पहले प्रश्न, क्या हो से जल्द काम सिया जाएगा। साथ ही गलत जानकारी देने कोन से बचने वालों को झूट भी आसानी से पकड़ा जा सकता है।

माइक्रो टेक्नोलॉजी नामक कंपनी ने लोकेशन आधारित उत्पाद नई टैकिंग सिस्टम-बीटीएस पेश किया है। इस सिस्टम के जारिए मोबाइल-धारक की मौजूदा भौगोलिक स्थिति को सटीक जानकारी देती जा सकती है।

क्या है बीटीएस: यह सर्वोच्च-प्रतिष्ठा सिस्टम-बीटीएस तकनीक पर आधारित सिस्टम-कंपनी के इस उत्पाद का उपयोग करने वाले सभी लोग वास्तव में जुड़े रहेंगे। सभी सिस्टम-कंपनी के मुख्य संकेत में

जाने जा सकते हैं।
क्या है फायदे: माइक्रो बीटीएस की इस अनूठी सेवा के अलावा मोबाइल-धारक अपने मित्रों व परिचितों के मौजूदगी का वास्तविक स्थिति के बारे में जानकर लगातार उनके सम्पर्क में बने रह सकते हैं। साथ ही कार्पोरेट वर्ग से जुड़े लोगों को अपने कर्मचारियों की मौजूदगी की वास्तविक लोकेशन की जानकारी मिल जाती है। ऐसे में कंपनी के लिए फोन में काम करने वाले लोग किसी क्षेत्र विशेष के ट्रैफिक जाम में फंसे होने या ट्रैफिक के साथ होने का झुकाव पहचानना नहीं बनता सकेगा।

अभिभावकों के लिए वरदान: स्कूल-कॉलेज जाने का वरदान कर पकड़ने को रचना देने वाले स्टूडेंट्स अपने घर वालों की आँखों में झूल नहीं जा सकते। मोबाइल की स्क्रीन पर स्वतः ही अपडेट होकर उसके लोकेशन की जानकारी उसके सम्पर्क में रहने वाले मिलती रहेगी। साथ ही यदि

कोई दो व्यक्ति एक ही लोकेशन में अटके-पड़े हैं तो अलर्ट भी भेजा सकता है। कंपनी ने उत्पाद को बहुत संशुद्ध बनाने के लिए सोशल नेटवर्किंग के साथ बड़े संदेश भेजने की सुविधा भी मुहैया कराई है।
अपराधियों की खबर नहीं: आम तौर पर अपहरण जैसे मामलों में पुलिस को अपराधी अलग-अलग लोकेशन से खोज कर परेशान करते हैं या फिरेलों की राह करते हैं। ऐसे में जहाँ मोबाइल की लोकेशन का पता लगा पाना संभव नहीं हो पाता और पुलिस द्वारा इस मामले में खोजबीन करने तक अपराधी लोकेशन बदलकर काल कर देते हैं। ऐसे में यदि अपहरणकर्ता इस सुविधा वाले मोबाइल का उपयोग करते हैं तो खोज रिसीव करने वाले पूरे लोकेशन लोकेशन का पता लगा पाना विवशता उन तक मुहैया अमभव हो पाता।
आपदा में सजीवनी का काम करेगा बीटीएस: चक्रवर्त, सुफन या सुनामी जैसे वस्तुओं में फंसे होने की स्थिति में उनको लोकेशन का पता लगाकर राहत कार्य संभव

प्रभाव से किया जा सकता है।
देश से बाहर भी रहेंगे सक्रिय: इसके अलावा इस सेवा का उपयोग करने वाले मोबाइल धारक के देश से बाहर यात्रा पर जाने की स्थिति में भी वे अपने मित्रों व मित्रों के सम्पर्क में बने रह सकते हैं।
कौमुदी आधारित इस सेवा का उपयोग करने वाले सभी उपयोक्ता एक दूसरे से जुड़े रहेंगे। कंपनी के प्रबंध निदेशक डॉ. शेखर ने बताया कि बीटीएस इंटरनेट व वायरलेस संकेत से जुड़े इस उत्पाद के आने वाले समय में और अधिक उपयोगी सिद्ध होने की संभावना है।
मोबाइल कंपनियों से होगा करार: शेखर ने बताया कि उत्पाद का उपयोग करने के लिए कंपनी मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों से समझौते करेगी।
इस सेवा का उपयोग करने के लिए उपयोक्ता सभी अपने मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी से सम्पर्क कर सेवा को सक्रिय कर सकते हैं।